विदेशी छात्रों के माध्यम से भारतीय संस्कृति को बढ़ावा

प्रीलिम्स के लिये:

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) पुरस्कार, भारतीय पर्यटन विकास निगम, उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (AISHE)।

मेन्स के लिये:

भारत की सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के कार्य।

चर्चा में क्यों?

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (Indian Council for Cultural Relations- ICCR) **भारत में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों** के अनुभवों का उपयोग करके **वैश्विक स्तर पर भारत के सांस्कृतिक पदचिह्न** का विस्तार करने की योजना बना रही है।

- इस "सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी" का उद्देश्य विदेशी छात्रों के अपने देश लौटने पर वहाँ **भारत की संस्कृति के बारे में बताना है।**

भारतीय सांस्कृतिक पदचिह्न के विस्तार हेतु ICCR की पहल:

- ICCR देश के विभिन्न **केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों, संस्थानों एवं कृषि महाविद्यालयों में अपना पाठ्यक्रम** पूरा करने से 3 से 4 महीने पहले **विदेशी छात्रों के साथ E-3 या एग्जिट एंगेजमेंट इवनिंग शुरू करेगा।**
  - एंगेजमेंट इवनिंग कार्यक्रम के पश्चात् छात्रों को निश्चित रूप से वापस जाना होगा और भारतीय विरासत तथा इसकी अनूठी संस्कृति के पहलुओं को बढ़ावा देना होगा।
  - इन कार्यक्रमों में राष्ट्रीय महत्त्व के स्थलों का दौरा भी शामिल होगा। छात्रों के साथ इन कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिये ICCR ने **खादी आयोग**, भारतीय पर्यटन विकास निगम और आयुष विभाग को चुना है।
- ICCR ने भारत में अध्ययन करने वाले विश्व भर के विदेशी छात्रों से जुड़ने के लिये एक मंच के रूप में अप्रैल 2022 में **इंडिया एलुमनी पोर्टल** नामक एक वेबसाइट भी लॉन्च की है।

भारत में नामांकित विदेशी छात्रों की वर्तमान स्थिति:

- शिक्षा मंत्रालय द्वारा किये गए उच्च शिक्षा पर नवीनतम अखिल भारतीय सर्वेक्षण (All India Survey on Higher Education- AISHE) के अनुसार, **वर्ष 2020-21** में भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में नामांकित विदेशी **छात्रों की संख्या 48,035** थी, जो **वर्ष 2019-20 के 49,348** से मामूली अंतराल के साथ कम थी।
- **160 से भी अधिक देशों के छात्र अध्ययन के लिये भारत आते हैं, नेपाल, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, भूटान, सूडान, नाइजीरिया, तंजानिया और यमन** उनमें प्रमुख हैं।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के कार्य:

- **परिचय**:
  - ICCR विदेश मंत्रालय के तहत भारत सरकार का एक **स्वायत्त संगठन** है।
  - इसकी स्थापना वर्ष **1950 में विदेशों में भारतीय संस्कृति और इसके मूल्यों को बढ़ावा देने तथा भारत एवं अन्य देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।**
- **कार्य:**
  - भारत और विदेशों में **सांस्कृतिक उत्सवों, प्रदर्शनों, प्रदर्शनियों और व्याख्यानों** का आयोजन करना।
  - भारत में अध्ययन करने के लिये **विदेशी छात्रों को छात्रवृत्ति** प्रदान करना।
    - भारतीय **संगीत, नृत्य, योग** और **विभिन्न भाषाओं में पाठ्यक्रम की सुविधा** प्रदान करना।

    - ICCR को वर्ष 2015 से विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों/केंद्रों द्वारा **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस** के उत्सव को सुविधाजनक बनाने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।
  - सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिये अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, सांस्कृतिक संस्थानों तथा विदेशी सरकारों के साथ सहयोग करना।
- **पुरस्कार:**
  - प्रतिष्ठित भारतविद् पुरस्कार, विश्व संस्कृत पुरस्कार, विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार - प्रशस्ति पत्र और पट्टिका एवं गिसेला बॉन पुरस्कार।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/promoting-india-s-culture-through-foreign-students